वास्तु में रंग और डिजाइन का महत्व

रंगों का हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान हैं। वैज्ञानिक तरीके से भी इस बात की पुष्टि हो चुकी है कि रंग हमें कैसे प्रभावित करते हैं। हालांकि हममें से ज्यादातर लोग इस बात पर ध्यान नहीं देते कि रंगों से हम पर कैसा असर पड़ रहा है। हमारे चारों तरफ जो विभिन्न रंग फैले हुए हैं उनसे हमारा मूड, तौर-तरीका, व्यवहार, स्वास्थ्य और खुशी सब प्रभावित होती है। सामंजस्य उत्पन्न कर रंग हमारी ऊर्जा को संतुलित करते हैं और हमारे जीवन एवं भाग्य को प्रभावित करते हैं। सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जाओं मे समरसता पैदा कर ऊर्जाओं के असंतुलन को दूर करके वे मानव जीवन की सबसे महत्वपूर्ण चीज को प्रभावित करते हैं। सारे रंगों से ऊर्जा उत्पन्न होती है, अतः हमें उन रंगों का उपयोग करना चाहिए जो सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न करते हों।

रंग क्या होते है ? ये और कुछ नहीं बल्कि अलग-अलग आवृतियों और वेवलेंथ के प्रकाश हैं। हर रंग एक प्रकार का विकिरण है इसीलिए दीवारों के रंग उस स्थान में रहने वालों को प्रभावित करते हैं। ब्रह्मांड का स्पंदन रंगों और संगीत की स्वर लहरियों में अभिव्यक्त होता है। यही कारण है कि हमें खास रंग के कपड़े पसंद आते हैं और खास

प्रकार का संगीत पसंद आता है। यह सब जाने-अनजाने होता है। ऊर्जा और विकिरण के सिद्धांतों पर आधारित वास्तु शास्त्र दिशा और कमरे के उपयोग की प्रकृति को समझकर स्पष्ट दिशा निर्देश देता है कि कहां कैसा रंग उपयोग किया जाये।

हर घर, दुकान ,फैक्ट्री, कार्यालय आदि के हर कमरे का रंग वास्तु के अनुसार उस कमरे की दिशा के तत्व और उसके ग्रह के अनुरूप होना चाहिए। सफेद रंग सात रंगों का मिश्रण है। ये 'बैनीआहपीनाला' यानि बैगनी, नीला, आसमानी, हरा, पीला , नारंगी और लाल रंग हैं। हर रंग मनुष्य के शरीर के एक खास हिस्से से संबंधित होते हैं और उसी तरह से भावनात्मक, शारीरिक और मानसिक असर डालते हैं।

वास्तु के अनुसार पूर्व और उत्तर -पश्चिम के लिए सफेद अच्छा रंग है, पश्चिम दिशा में नीला रंग लाभदायक होता है। उत्तर मे हरा, दक्षिण में गुलाबी या मूंगा के समान लाल, उत्तर-पूर्व के लिए चांदी के समान सफेद रंग का प्रयोग किया जाना चाहिए। इन दिशाओं से प्रवाहित ऊर्जा और विकिरण के साथ इन रंगों का संग सटीक होता है और घर में समरसता और सकारात्मकता पैदा करने में इनका बड़ा योगदान होता है। घर बनाते समय रंगों का चुनाव यह ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए कि वह खास कमरा किस दिशा में है और कमरे

का उपयोग क्या है। उदाहरण के लिए अगर पूर्व की तरफ बेडरूम है तो सफेद रंग का इस्तेमाल करना चाहिए। और अगर बेडरूम दक्षिण की तरफ है तो गुलाबी रंग अच्छा होता है। निवास स्थान में काला रंग का इस्तेमाल नही किया जाना चाहिए क्योंकि यह शुभ रंग नहीं है। वैसे, बाथरूम में थोड़ा बहुत काला रंग का इस्तेमाल किया जा सकता है। पूजा घर का रंग नारंगी रखें तो अच्छा, क्योंकि नारंगी आध्यात्म से जुड़ा रंग है। घर में जिम हो तो वहां लाल रंग का इस्तेमाल किया जाना चाहिए क्योंकि लाल रंग उच्च ऊर्जा का रंग है।

इसी प्रकार व्यापारिक प्रतिष्ठानों को भी खास रंग का इस्तेमाल करना चाहिए। अगर रेडीमेड कपड़ों की दुकान है तो दीवारों और इंटीरियर पर ब्लू या ब्लू के किसी अन्य प्रकार के रंग का प्रयोग करना चाहिए। खिलौने की दुकान का रंग चटख पीला, लाल और नीला हो। चमड़े की वस्तुओं के दुकान में बैकग्राउंड का रंग लाल और नीला होना चाहिए। संक्षेप में यह कि किस दिशा में दुकान है और वहां क्या बेचा जाता है, इसको ध्यान में रखकर रंगों का चुनाव करना चाहिए। निवास स्थान में भी रंगों का सही उपयोग होना चाहिए ताकि प्रगति, समृद्धि और खुशी हासिल हो। घर, कार्यालय, फैक्ट्री या दुकान में कौन सा रंग इस्तेमाल किया जाये, इसके बारे मे वास्तु विशेषज्ञ की सलाह लेनी

चाहिए।

लेखक इंजीनियर हैं और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम में उच्चाधिकारी रह चुके हैं। फिलहाल वे भूदोष वास्तु सलाहकार के रूप में हैदराबाद में रह रहे हैं। उनसे www.karmicvastu.com या उनके मोबाइल नम्बर 099893-00733 पर संपर्क किया जा सकता है।